ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-09-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-09-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-09-23	2026-09-24	2026-09-25	2026-09-26	2026-09-27
वर्षा (मिमी)	0.0	0.1	10.0	15.0	61.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	34.0	33.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	23.0	24.0	24.0	23.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	84	81	92	94	94
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	48	49	59	68	68
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	5	6	23	25
पवन दिशा (डिग्री)	32	29	28	30	356
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	4	5
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	बहुत भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले हफ़्ते (12 से 21 सितंबर) 36.4 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.1 से 34.6°C और 21.4 से 25.4°C के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 81-95% और 54-70% के बीच रही। हवा दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण, पूर्व-उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिशाओं से 0.2 से 7.8 किमी प्रति घंटा की गति से चली। पिछले हफ़्ते ज़्यादातर दिनों में मौसम गर्म और उमस भरा रहा। आने वाले हफ़्ते में 10-61 मिमी हल्की से भारी बारिश और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0-35.0°C और 23.0-24.0°C के बीच रहने का अनुमान है। हवा के उत्तर-उत्तर-पूर्व, उत्तर-पूर्व-उत्तर और उत्तर दिशाओं से 3-25 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। 22, 23 और 24 सितंबर के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, जबकि 25 सितंबर के लिए आंधी-तूफ़ान, बिजली गिरने, तेज़ हवाओं और ज़मीन पर तेज़ हवाओं के लिए 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है और 26 सितंबर के लिए बहुत भारी बारिश, आंधी-तूफ़ान, बिजली गिरने, तेज़ हवाओं और ज़मीन पर तेज़ हवाओं के लिए चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

हफ़्ते की शुरुआत में कोई खास असर नहीं होगा, लेकिन बाद में भारी बारिश की संभावना है। इसलिए फ़सलों में जल-निकासी की उचित व्यवस्था रखें और सिंचाई न करें, क्योंकि इससे फ़सलें गिर सकती हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश के अलर्ट और फसल से जुड़ी सलाह पाने के लिए “मौसम” और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने से जुड़ी जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान के मुताबिक, 18.09.2026 से 24.09.2026 के दौरान बारिश में काफी कमी और अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। एनडीवीआई वैल्यू से ज़िले में खेती की स्थिति अच्छी से बहुत अच्छी होने का पता चलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुमान के मुताबिक, हफ़्ते की शुरुआत के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए इस दौरान केमिकल स्प्रे का काम किया जा सकता है; लेकिन हफ़्ते के बाद के दिनों में भारी बारिश की संभावना है, इसल

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की फसल अभी ऐसी अवस्था में है जब उसमें बीमारी या कीट लगने का खतरा रहता है, इसलिए इसकी ठीक से निगरानी की जानी चाहिए और बीमारी या कीटों को नियंत्रित करने के लिए बताई गई दवा का छिड़काव करना चाहिए। किसानों को आने वाले हफ़्ते के लिए भी सतर्क रहना चाहिए क्योंकि भारी बारिश के कारण दवा छिड़कने के काम में रुकावट आ सकती है। बाद के हफ़्तों में फ़सल की सिंचाई करने से बचें और फ़सल में पानी की निकासी का उचित प्रबंध रखें।
गन्ना	लाल सड़न से प्रभावित गन्नों को हटाकर जला देना चाहिए ताकि बीमारी और न फैले। अगर खेत में सफेद गिडार का हमला हो, तो 500 लीटर पानी में 200 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से फिप्रोनिल 40% और इमिडाक्लोप्रिड 40% डब्लूजी मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। केमिकल का छिड़काव शुरुआती हफ़्ते में ही कर लेना चाहिए, क्योंकि बाद के हफ़्तों में केमिकल डालने में दिक्कत आ सकती है। बाद के हफ़्तों में फ़सल में पानी देने से बचें क्योंकि इससे फ़सल गिर सकती है; साथ ही, जल-जमाव से बचने के लिए पानी की सही निकासी की व्यवस्था रखें।
मक्का	फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी (0.4 मिली/लीटर पानी) का छिड़काव करना चाहिए, जबकि ब्लाइट (झुलसा रोग) होने पर मैनकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लूपी (1.5-2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर, 750-800 लीटर पानी में मिलाकर) का छिड़काव करना चाहिए। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर किया जाना चाहिए। मक्के की जल्दी पकने वाली किस्मों की कटाई पकने पर करें और भंडारण से पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लें। अगले सप्ताह भारी बारिश और तेज़ हवाओं का अनुमान है, इसलिए उस दौरान सिंचाई से बचें; साथ ही, मौसम के कारण रसायनों के छिड़काव में भी रुकावट आ सकती है, इसलिए किसान ये काम पहले सप्ताह में ही कर लें।
काला चना	फ़सल अभी शुरुआती बढ़त (वेजिटेटिव) के दौर में है, इसलिए नियमित निगरानी और खरपतवार हटाने की ज़रूरत है। फलियाँ बनने के समय मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफ़ेद मक्खी की आबादी को केमिकल स्प्रे से कंट्रोल करना चाहिए। बाद के हफ़्तों में केमिकल स्प्रे करने से बचना चाहिए क्योंकि बारिश की वजह से यह बेकार हो सकता है। पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें।
मूँग	फ़सल अभी शुरुआती बढ़त (वेजिटेटिव) के दौर में है, इसलिए नियमित निगरानी और खरपतवार हटाने की ज़रूरत है। फलियाँ बनने के समय मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफ़ेद मक्खी की आबादी को केमिकल स्प्रे से कंट्रोल करना चाहिए। बाद के हफ़्तों में केमिकल स्प्रे करने से बचना चाहिए क्योंकि बारिश की वजह से यह बेकार हो सकता है। पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें।
सोया बीन	फूल या फली बनते समय मिट्टी में नमी बनाए रखें। सफ़ेद मक्खी से फैलने वाले 'येलो मोज़ेक वायरस' के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 'पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 ई. सी. ' मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। किसानों को 'येलो मोज़ेक वायरस' के प्रति प्रतिरोधी

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	किस्मों का इस्तेमाल करना चाहिए और मौसम का पूर्वानुमान ध्यान में रखकर ही रसायनों का छिड़काव करना चाहिए। फसल में पानी की उचित निकासी की व्यवस्था रखें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	रोपी गई फसल में हल्की गुड़ाई करें और जड़ों को ढकने के लिए मिट्टी का इस्तेमाल करें। फसल में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और आखिरी हफ़्ते में सिंचाई न करें।
मूली	मूली की फसल में मौसम का पूर्वानुमान ध्यान में रखकर सिंचाई करनी चाहिए।फसल में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें ।
गाजर	बीज अंकुरित होने के बाद नियमित रूप से खरपतवार निकालते रहना चाहिए और पौधों के बीच उचित दूरी बनाए रखनी चाहिए। पानी की निकासी की अच्छी व्यवस्था रखें और बाद के हफ़्तों में सिंचाई करने से बचें।
चुकंदर	भारी बारिश के दौरान, बाद के हफ़्तों में मिट्टी में नमी बनाए रखें और पानी की निकासी की व्यवस्था करें।
पालक	भारी बारिश के दौरान, बाद के हफ़्तों में मिट्टी में नमी बनाए रखें और पानी की निकासी की व्यवस्था करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	15 दिनों के बाद बछड़ों को कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, जिंक, आयरन, आयोडीन और कॉपर जैसे तत्व नमक के मिश्रण या मिनरल ड्रॉप्स के रूप में खिलाने चाहिए।
भेंस	'फूट-रॉट' बीमारी से बचाव के लिए, जानवरों के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोना चाहिए।
बकरा	ग्रामीण इलाकों में बकरियों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए - एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में - ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।
भेड़	ग्रामीण इलाकों में भेड़ों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

दुर्घटनाएँ और रोज़मर्रा के काम में रुकावट

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बेवजह यात्रा करने से बचें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details